





ॐ नमो भगवते  
विष्णवे नमः  
ॐ नमो भगवते  
विष्णवे नमः

नरुकाया ॥ नागा ॥ हे न वि ॥ गा न ॥ ग नि ॥ उ म हि म तु ल म नू स मू डा रू न ध न म ॥ इ ह न  
ड द क वि नू व डा ॥ ५ ॥  
जिन गु ल ना या ॥ ॥ कं ध्या  
उ क म न का ॥ ॥ य व न इ  
ह दा हा ॥ ॥ सु ग न र नि हा  
काल य वा द्या ॥ ॐ ॥ ना गा ॥ ग न्धा रे न वि ॥ गा न ॥ म य ॥ प्रि उ व न ह लि ग मू र नि मू न सा

४

ॐ नमो भगवते  
विष्णवे नमः  
ॐ नमो भगवते  
विष्णवे नमः

य न वि न य द नि ॥ ५ ॥ ना वे न व रु स त्त् य न म न्ध गी रा व नी ॥ ॥ न मि स ह उ द धा त्त् य र्त्  
ह य व नि ॥ ५ ॥ व रु वि वि रु  
मा रु का मू डा ॥ ॥ ना गा  
उ मि सि ष वा द य मू नि नी  
ही म त्त घू नि रु रु ल हा ॥ ५  
ना म र म घ मां स म त्त य पं व वि ष पू रु नि गृ ण तु र्वा द रु यी व रु न ॥ १ ॥ सु व र्ज जा न न



दिनिगधनद. विषयनयादय. प्रवलुहेनवा २ नूडायनी. खना. नककनागा. गकनसम्मान  
 गार्जिगजलदा॥ २ ॥ **पुवर्ग**  
 नूडायनी. कंकमा. कका  
 जग. यवतसमन. वृगक  
 कीनकरेनवा. वरुंकजल  
 धरेनवा २ कोमानीनका. महायप्रनागा. मूडगसासा. प्रवलुजलदा॥ ३ ॥ **पुवर्ग**

जग. विहानववृल. मूवकयादय. ननूकरेनवा २  
 टकनागा. कालाक. ला. नादिगजलदा॥ ३ ॥ **पुवर्ग**  
 यादय. कपिन. रेनवा २ वा. नादिनका. यज. उजगा.  
 दा॥ ४ ॥ **पुवर्ग** जग. एकवृका. नो. कवजयादय. अ  
 दा॥ ५ ॥ **पुवर्ग** जग.

माहृहृदिगिज. प्रकाटियादय. डलमकरेनवा २ खे. दि. शमा. लून. ननागा. लकीव  
 नरुगासन. पून. जलदा॥  
 रेनवा २ वाम. म. वका. क  
 गजग. मून. त्या. गी. मान. व  
 वनागा. कि. सि. कि. सि. ला. वा  
 नयना. ना. नि. व. व. ला. २ व. द. व. दर्न. न. वि. क. न. व. न. न. ना. मि. यी. ह. नू. क. र. व. ह. य. ह. व. ती॥ ६ ॥

४ ॥ **पुवर्ग** जग. पुन्यपृहवा. मू. रे. नयादय. प्रहान.  
 लि. कनागा. धा. ना. व. काना. वरुंकजलदा॥ ५ ॥ **पुवर्ग**  
 रुंकयादय. शिघलरेनवा २ महा. ल. मी. ए. ना. जै. ध. या.  
 वर्धतजलदा॥ ६ ॥ रे. न. व. का. लि. या. दर. न. ला. छा. द. म.  
 दा॥ ७ ॥



१ त्रिषष्टिधा नाथ ॥ १०

वृक्षवननृषा॥ नागकामा३॥ नावखकंगाना॥ प्रियपिंडानाथ क्रियायिन भवियनि २ गच्छुसु  
 वन॥ १॥ नहिनिष्ठा॥ १॥  
 मिवकनली॥ २॥ जंबूव  
 न॥ कनली॥ ३॥ पून्यजन  
 हासा॥ ४॥ डवगावियनि  
 समानताययं नजगच्छुगच्छु २॥ नृकनिष्ठा ३॥ नहिनिष्ठा ४॥ यकगल नाजा

अथ वदन् वक्तुमि

गच्छत्कायुलीनाथरुद्रा वन्दनकवली॥ १ ॥ नृपगणध्वजवविश्वकर्मणि  
 २ नाथस्यामहाश्रायनुन  
 मयि सा २ स्वभावाद्द्विध  
 धनाजा २ दहादिगणिना  
 मध्वनिसा २ गावन्किबूलि  
 नागरुनवि॥ गाना॥ मया॥ ३ स्ववज्रधृक्कुरुं काशान् काविनापिनिपूनापयिनाय



रूतयिभूतनमहाकावाव मलयविप्रसमूहव ॥ ३॥ घघ. घागय २ सर्व इत्यन कील  
 यरुंरुयायरुन २३ वंजकी  
 सत्त्वमात्राधियात्र भूतन  
 व. रिनाऊन धूमि. घाव  
 कीलयनी ॥ ३॥ डरुनदि  
 दगहन महाभमानात्रयकाधियनिगतकीलयकि ॥ ३॥ यन्त्रिमदिगघान्भनान

लय. बजवनमहाका. कायवाकविरुकीलयनी ॥ श्रीक  
 सिद्धिपदमाकरुलद ॥ ॥पूर्वादिघान्. काकानन  
 या २ वरुणयरीषत महाभमानान्. दवाधियनिगत  
 गघान्. डलूकाननन. स्यामवर्णन. श्रीमनयनी २ व  
 यन्त्रिमदिगघान्भनान

नन. सिभूनावलनन. विकटनूया २ कालाह महाभमानान्. रूनाधियनिगतकीलय  
 कि ॥ ३॥ दक्षिणदिगघ  
 लंक. रेनव महाभमाना  
 रत. दवीयमदादि. कश्यपी  
 धियनिगतकीलयकि ॥  
 धनूया २ लकीवलरुणासन. महाभमानान्. नाकसाधियनिगतकीलयकि ॥ ३॥

व. सूकयाननन. कनकनिर्ददहा. घघनत्मादि २ क  
 व. प्रेताधियनि. गलकीलयकि ॥ ३॥ दक्षिणवनका  
 नारु. वरुणनूया २ मूदरहास. महा. भमानान. गंजा  
 ३॥ द्वितीयवनकारत. यमहनिन. यीमावलगन. क  
 यन्त्रिमदिगघान्भनान







[illegible]

पुष्पमय ॥ १७ ॥  
यनमादिवङ्गीता ॥ ॐ ॥ उन्मत्त ॥ नागा ॥ रत्नवि ॥ गाना ॥ मया ॥ मत्त  
मन्मत्तमसिकनकना  
हनकनुरुवनयक  
मन्मत्तमसिकनकना  
नसा ॥ हनकनुरुवनयक  
नाडयदीयनीजगुमान ॥ २ ॥ खसनलाडयदीय ॥ वडविदिगुरुवन ॥ वाडयदीयशीख



० गंग कृप रुत न नः पा ४४ रुत कृप रुत नः पा ४४

लयनगु॥ ॥ दिनवनप्रांनियनस नूधिनयावियसक मूसादननं वियान २ मूडान  
 नाडदावियसायनवका  
 दिवनसा रुगनियनिराव  
 निरावथि सफयनिरुधि  
 डा॥ प्रिसमाधि॥ ॥  
 लजाडवमाज्य भनूमसुलवक नायाश्वक पकल सजान संयनिरुदिन मवूमसु

۱۱

[illegible]



[illegible]

72

महाभारत

२ कल

[illegible]

॥ १८ ॥



नकावर्ष ॥ १२

हवश्चिन्नकादि ॥ ५॥ पहाघल्लुडयायनवज्जारमविनामिवायधि. आचार्यवयिथा  
॥ ५॥ वामदहिनकन.  
५॥ कर्त्तवाननन. अर्य  
मामकिपूजा ॥ ॥ ना  
२ मृगादहा कुकयहनकि  
गन. यमादिन. मयनसूराया ॥ ५॥

श्रुवानयाप्ररुसयिवज्जानस. आरुमिदिना ॥  
नवहामरवज्जयवनघस. वीयसंवाधा ॥ ॥ ॥  
गा. नाट ॥ ना. ॥ रुटि ॥ नकावर्षदिनितायसू. दनि  
वरा ॥ ५॥ दुष्कदेवीवावृति. मामकिदवीरु  
॥ ५॥ मृगमवदपूनास. वया. एरथागधमदिशा

१३

कादिगवज्ञान ॥ १२

वृष्मिन्नधना. व्याप्रवर्मकर्हि वस्तिना ॥  
किनीदवी. सहजानदमू  
गुव्वनस. आ. नाधिना ॥  
ना. मया ॥ कलिन. वज्जान  
कू. रू. आ. ग. पि. उवसवी  
नदमू. रू. नि. य. धा. नी. का. धा. धि. य. पी. म. रू. व. ज्ज. रू. ड. आ. रू. रू. ३. का. धा. धि. य. पी. म. रू. व.

॥ दिगविदिर्गकाकायादि. यमज  
नृगिधना. रनमा. मि. न. मा. मि. श्री. व. व. स. म. च. ना. स. न  
॥ ॥ ॥ आ. रू. मि. वि. य. ॥ ॥ ना. गा. ॥ य. व. मा. ॥ ना  
स. न. वि. मा. नि. रू. वि. न. डा. व. यि. ड. का. न. स. उ. नू. यी. र  
सा. य. यि. सा. यि. जि. न. डा. मि. वि. रू. नू. यी. ॥ ५॥ य. न. मा  
॥ ५॥ मृगमवदपूनास. वया. एरथागधमदिशा



जा॥ ॥ कालिका कमल संयारग सहजा यवन नर्तन गसूनी लगती शयि मस्त्रे वषट्  
 कुज नल मूकूट धा नि क  
 नि वज्र पर्य कासन कुं  
 नि वाम धरं स्तन वाय  
 लयि भूत गमू नूति नूर्यं  
 नी नायदी ॥ ॐ ॥ वज्र वा नाहि वर ॥ ॥ नागा ॥ धना श्री ॥ तादृ कि नि ॥

१५

महाका

जा का मल संस्व क न वड भूत नन्द हार डि कुवन रुसयि महासूख नाया वडसूर्य  
 शयि म निया ॥ ॐ ॥ नया  
 कल्प विषम नोद वी भूत  
 यो न थि कि कल्या न न  
 न व न द हा ॥ ॥  
 व क म ख ना या य न धा ना पी व नू द न न वि न मा ला ॥ ॥ सर्व ग धा ग न



अथ पूजा ॥ ॥ राग का भाउ ॥ गान ॥ खड्ग गान ॥  
 हा नदन सदा पिभन सकल धन ॥ २६ ॥ दधु ॥  
 नरु नरु ॥ धु ॥ ॥ वडु व विं गि यी ॥ थ व न ॥ रु पि  
 व क य नि वृ ना ॥ द वी सं पू ग ॥ व डु सि क रू ण ॥ ॥

75

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥

श्री नाथिना ॥ ॐ ॥ वज्र द्यवाहि नृत्वा ॥ ॥ ना  
 थ ॥ द्विरुज्ज्वलमूखवक्त्रवर्णविभक्तशरमूकटक  
 रूंकुंगनारूंकुंगनगनरूंकुंकुं ॥ ॥ वामक  
 उम्माहवसहस्रहाहिना ॥ ॥ सूर्यमसुलमाध्य  
 धमा ॥ ॥ गनयनूववससिनगनधनाश्वज

विष्णो॥ २५  
यशोनाथि॥



का. ना. या. २३

वा नाहि उरुयाय सनत् ॥ ३३ ॥ **यक्वा नाहायक** ॥ ॥ नागा ॥ नाहि ॥ नाव ॥  
 माथा ॥ कालायिल धिया  
 वरुयि कनू लक्रियायि  
 नानहि वरुयि ॥ ॥ नहि  
 लिंजन यनयायि इलुनू  
 लाजनयायि मलयंजयि धनसा लिंजन सुहिरं नूखाजनयायि ॥ ॥ प्रपू नक नक नक

११

ॐ

सर्ववक्त्र २७

वा सुधनमनयिरनिले सुहर्गवद्रवयिमा नहि सनाधानयायि **मि नाह नि** ॥ ३३ ॥  
 नागा ॥ प्रावनि ॥ नाभमाथ  
 यागिनी वरुमलिग काव  
 गिनी गलमलिगा रक्ष  
 दिख मल्लनग सनसदी  
 खला विठुयिगा ॥ ॥ कनमिषय नमान च्छदनी नूकूटक जदिग चना रमूगुमाना



सुजाह्न ॥ २२ ॥

खलंगमलितासुजिह्वाहयंकना ॥  
यिगा २३ उं वव स गि र्वा  
वार्य वृत्त्या र्वा मलि ॥  
यि व सम्वन वन यि र्वा  
कूट क मदि ग म्ब ना ॥ ३२ ॥  
ना २२ ह म यि ना हि नी व क्वा ना ही

॥ उ म्ब द वी उ क्क न न का स म्ब न वि श्व निया  
वि म्ब व व क र्वा या गा व यो या ॥ ३३ ॥ म्ब नाः  
ना गा म्ब ह लि ॥ ना व ॥ मा थ ॥ हा श म्ब र ग क्रिया  
ह नि व व म्ब २ उ म्ब वा द क न म लि या म्ब म्ब न म्ब  
न न न मा नू स म्ब न ना या स म्ब न स र्वा नि मा नू का  
॥ म्ब ति श य स्त व न

१८

सुजाह्न ॥ ३२ ॥

ही म्ब ति ग म्ब क र्वा २ उ म्ब पि र्वा वि न वि न व न स म्ब न म्ब तु ल ॥ ३४ ॥  
मा म्ब तु ल क र्वा २ क वृत्त  
या वा नि व व व द न २ नी  
ह न वि ॥ ना ना म्ब या ॥ वि  
वी वा सि नी त ल्वा म्ब क  
मा क मार्ग स ल्वा उ व न लार्थ ॥ ३५ ॥

नू स वा य न वी य र्वा व ॥ ३६ ॥ म्ब द म्ब तु ल व नि  
स र्वा व ग म्ब तु ल ली ना ॥ ३७ ॥ ना गा म्ब म्ब  
द ल य म्ब तु ल म्ब स र्वा व क न २ द वी व क  
॥ ३८ ॥ यि व यि व म्ब न स र्वा क र्वा द ह न २ स र्वा  
॥ ३९ ॥ व क्वा ना हि म्ब ल ग म्ब ग म्ब २ पि तु ल न द

न २



५३

वा सुनननदवा ॥ ॐ ॥ पूजायुक्तुका शिखकमनूरुनकि या २ रुनन्कु लदरुअ  
वा यवनिगा ॥ ॐ ॥ नागायवमगातना विरुना ॥ ऊयमवाकुविहनु  
वघनयिशसयनसना ॥ ॐ ॥ नरुगवागयाइक  
मनमादिमगुलनोयुन ॥ ॐ ॥ नरुगवागयाइक  
खनघनूडलावाशनि ॥ ॐ ॥ नरुगवागयाइक  
नपीव नूदननविनमासा ॥ ॐ ॥ नरुगवागयाइक

२०

५३

न नाथ कं स रू ला २ क सुनी क यून माचूनसुखसावा ॥ ॐ ॥ रुतयिसूननव  
ऊ नाचुनिदासा ॥ ॐ ॥ नागायवमगातना विरुना ॥ ऊयमवाकुविहनु  
का मा ॐ ॥ नावखकंगा  
विनयन रिषमवदला  
म सुवल काधनाया ॥ ॐ ॥ नावखकंगा  
म धानि विरुवन नाथ ॥ ॐ ॥ नावखकंगा



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
यकां ॥ ॐ ॥ नाग ॥  
जानु खनकि नर मा न  
न नाया अवनवी ना ॥  
कृदिता शविश्वनाथ विद्य  
भूकिरिबना उर्यव ॥

॥ विविधिनल मोली रीक नद हा २ ॥  
कामा ॥ ना नाख क गा ना ॥ अवनिनि हिग वाम  
सुजासा २ नाग द्वय मा ह वन्धि नया ॥ ॐ ॥  
॥ नेमा मिथी वद महा नाख ना जात मृत्पूरुय  
व्यायेग विवै विक्रम महा काध नाया ॥  
दृष्टा क नाया विद्युगि कि नर ॥ २ ॥ यी उग मृध ना क द

२१

अः क ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पिवयि संगीत ॥  
कृति ॥ ॥ अलिका सि  
॥ ययि मयि ॥ ॐ ॥ अद्व  
॥ यस्मिन्निधा द विवो म  
वाहिना ॥ ॥ नाग ॥ क  
क वाहि क म ल कृ सि म घ ॥ क न द नि या न ॥

॥ श्री आदियात जाला विव दानि रगीत मून हा ॥  
इयिया दध न क २ ॥ द ड या गिनी म क ल गीत ॥  
यसु याग २ ॥ की कृति क म ल कृ सि म व कृ हि वा ॥  
वता निर ल य न व ड स म ह नू व वा ला ॥ ॐ ॥  
न डि ॥ ना ना म रा ॥ ॐ ॥ अ वा य यि या गिनी द ह  
॥ या गिनी ॥ ॐ ॥ वि नू ष म कृ न डि

कः नि कः नि ॥ ॐ ॥ कः क



वक्रवर्णः ॥ ३० ॥

वयिरमानामहर्व्वियान कमसह वयी ॥ ॥ कयलरुजागिनी लयनजायिश्म  
लिकूल वहियान उदि यानसमाना ॥ ॥ मयघनघानक वियान ॥  
वउसूर्यइयियकनरुना उ ॥ ॥ रुनायिरगायानिहमकूद्वनूवीनाशनन  
यनामीमाश्व डरुयनरु वीना ॥ ॥ नागा ॥ ग्वउयि ॥ नागा ॥ वकताव ॥  
वक्रिकूलसकाथिमावः कमखनरुविता यिवनूदननदिनमावाशमीन  
वक्रिवक्रिलया रुसमिह रुषित गगलकताठि वनूनिवाया ॥ ॥ ॥ यउयगिह

२३

वक्रवर्णः ॥ ३१ ॥  
शुद्धमस्तया ॥

सासयिकयिरगाइथरुना उमलुलनाया ॥ ॥ ॥ हजंकावहमन रुमतनिवासिया  
ना ॥ ॥ अमियशनिल जनदस ॥ सहजसुदनिनाया किनरुनययिस ॥  
इ ॥ वउयामिनीयनम लमला ॥ वक्रवानाहि अलिगसकाला ॥ ॥ ॥ उ  
थरुनाउकवूटाकवानि रजयंजयं अलिगल नीलवर्णवालि ॥ ॥ ॥  
अरुनसनुजागायशु या ॥ ॥ नागा ॥ ललित ॥ नागा ॥ मय ॥ साउडाहाय  
ननवूटाकिथामिस्वासानाहिनाव नाजयहना ॥ सहउमान अरुनलकिमिति उरु



सनायनयावतसिनमूनियहाना॥ ॐ ॥ दवीक नूडसिर्यकिमिनिउरुनागसावि  
 नाशदहिनीआसिहमाह  
 निनस्वगमलुलमायः  
 निकयानखदीगमृगहा  
 गथागगदहसिबडदवी  
 यवगगतायसिसमायी मूयकाहियं ॥ रुवइखरगमविनयसुवनवडक

२७

स्थानानुदविशुनूयणादश्मविद्यविद्यविन्दुदिस्यजरुनाथिरुननीरावशूरावः॥ ॐ ॥  
 गलवका॥ ॥ नाग ॥  
 नय म्मादयायनिरुमिन  
 वना॥ ॐ ॥ दहलवकु  
 विप्रविनाहानहाहिसः  
 मगुलाविवासायखरुदावकनश्नीननीनवर्हिवगगशीमकुवाशुयनिरुमिः॥

स्थ

गलवका॥ ७१



गजजिन॥४२

प्रभादिनदरुदिरुलभिवृद्धनदिकागजगडधानस्रसयनवृद्धहियाचककूलयि  
यानिजविजहयायनिरु  
विरुविरुगनस्रसगुनव  
सायावलिमूलाचार्यन  
विनि॥ ॐ ॥ सतिवृद्ध  
रुनविमानाचकनानगजजिनडधनहाथधनीयाकमलकुलिगभूद्यवाविश

मिन॥ ॥ डवृद्धयदभसिमयियंगलमाकन  
नलभिलगकधनियाहनयिहनवजगलवनाः ॥  
त्यागीनायमादितदि॥ ॥ धमायगुन॥ ॥ ध  
मृक्तिवजामाका॥ ॥ गववृद्ध॥ ॥ नागा॥

२७

उमनूकवनि कूभनविमूनावामखदागकयानधवा॥ ३॥ श्रीमन्मन्नायावाद्य  
विशुद्धजलासिनामान  
॥ ॥ यादावृद्धमूद्यवा  
हिनकनकारुववडमूद्य  
वाययियानकानिनाधिः  
प्रवर्ममटमूद्या॥ ॥ ॥

यिनजाययियालमायासासुखवृद्धपडावित्ता  
महाथधनीयाहननसिसमासाशनीसहनिमला  
मृतिविकनानमृद्यना॥ ॥ मृतिवृद्धयथारुनव  
विमृमूडाशविमृकुलिगभूद्यवडजटासूकयाः  
॥ ॥ विमृविनविनमन्नायकविनिवृद्धमहाविनवीवाशक



उनीगाहन॥४३

नृसमृज्जाव. विलेविनश्चन उंऊयिसयानसैसानधना॥ ॐ ॥ वागा॥ सुसिउंऊलि॥  
गावा॥ ऊनि॥ उनीगाभाहन  
॥ ॐ ॥ ऊगगनूकं कृपायु  
यनगिनि नूडमावा २ खंऊ  
पल्यानिवा २ खर्वसम्भाद  
मागा २ रुनयिभूमावऊगीतवनिगा॥ ॐ ॥ वागनिवद॥ गावा॥ माथ॥ ऊखयनि

२०

सूखयनिनेगना॥४४

नीऊन. मूदय. मूनयम. गगलकमसऊसाधना २ गुन्यमाविनाठिर. नायथिोवियाद  
वी. प्राताविंदसमऊठिना  
सतसै प्रायिता २ सनदव  
॥ ॐ ॥ गागवव. साधि  
ददयाचक. प्रायित मू  
दयवमानद. विनमासऊवऊनानदऊसैरुवा २ यवसादिनमा मा मू नछादि  
॥ ॐ ॥ नमाभिनिजालेरु. निवकनः ॥ गागा २ ऊडुरु  
उसम. ऊऊयकासिग. ऊलऊवडसमन्यायिता॥  
नवऊदगि. मनुमलुलरुम. गलिना २ निर्मलवक  
हिनि सिऊववदकसमय. साधना॥ ॥ भान



निर्गगयन॥४७

स महासुख सुगतसंयदवन प्रापिता॥

काटिसिद्धायानगगाश्री  
जानरु॥ ॐ ॥ वाग॥

मनश्चिद्विद्वानयनसम  
गिनीजानकवृत्तनावदी  
कान्य पूरुकनयिया॥

॥ हवजकानवक शीवकसम्बन शूनन

रुतडादियान पूर्वगिनिजानवनी प्रभुमहासुख  
कलुडि॥ ताना॥ मय॥ निर्मलगयनदुशाहितम  
वसुहव॥ ॐ ॥ हावयिनपीयागावववीनाश्या

॥ ॥ जाकिनी मतुलवक रुलयिया २ मतुल

॥ वज्रिधा विविद्या विवला निरसिधिनी व्याधिनी जम्बू

२८

वज्रिधा वि॥४८

कडवूकिनी॥

मात्रयि॥ ॐ ॥ वाग॥

दवीर सिंधिनी ॥ ॐ ॥

गाम्बवर् हानवनीया

न यकिम उदकितदिगी

वकुनदिगां उदक रुत उदवीर विनिनयदवी नीवकिदवी॥

॥ जाकिनी द्योपिनी वडसिर्क वाजनी २ सयनसम वरुयवचन

॥ मानव॥ ताव॥ माथ॥ वज्रिधा विवला वि वलुनि

व्याधिनी जम्बूकडवूकिनी॥ ॐ ॥ नमामि पीया

रपिनि नयदवी प्रिभुवनययिष॥ ॥ पूर्वडरु

दवीर जाकिनी द्योपिनी वडसिर्क वाजनी॥ ॥

॥ हरिहरवृष्णा ॐ



वज्रयागिनी॥४७॥

उभूतगमनरथाजयागिनी समनसं हवः॥ ॐ ॥ नागा॥ मानवी॥ मानमाथ॥  
वज्रयागिनीहनूवनायार विभुवननाथा देविगयान॥ ॐ ॥ पिवयिन्नमहा  
नस महासुखकनयियार वज्रदवीरुलीया मूनहनहन॥ ॥ डडनावि  
जिदलकमससंयाग २ दहिविनाडा यवसहदयि॥ ॥ गुंजयिन्नपेवम  
हासुखकली २ यं वसिन्न सविजवानूली॥ ॥ सगुनूवनलपसाद वड  
थाहिवक २ प्रारलधनी संसानसमूडा॥ ॐ ॥ नागा॥ मानवी॥ मान॥ माथ॥ न

२२

नेमाभि॥४८॥  
वज्रयागिनी॥

मामि २ श्रीवज्रयागिनी २ गवनी मलुलमाथ प्रयासिगदहा॥ ॐ ॥ नोमिथीवज्रयागि  
नी साहिगवर्हीरा २ मूनरु नवाधिप्रदायनी देवी॥ ॥ विभुवनव्यापित  
दहिनकननिधावी २ सह जानदहूयी देवी॥ ॥ कूटागावमनाहन मलुला  
श्वामघर्षन कडुखडा गधानी॥ ॥ नकधर्मादया वाययिगादवर  
प्रसमामिवाकनि गुधध नी॥ ॐ ॥ नागा॥ नाट॥ मान॥ जनि॥ डदयागिनिग  
मलगनि संकासा २ कूतिगक नाटक थायिगदवी॥ ॐ ॥ मूकूटकडा विनिवावनी द



गोरिन ॥ ७२ ॥ विषया ॥ १०

नाग ॥ कवदि ॥ गाना ॥ मया ॥ श्रीहवजनेनात्मादवी जिहवननाथाशयवजिनव्यापिता  
यक्कनहृदहा ॥ ३२ ॥  
ऊया ॥ गेति ॥ मुन्यता ॥  
मावे ॥ इधमा ॥ ॥ घम  
वजा ॥ ॥ ॥ नाग  
कनयिबडा ॥ नि ॥ नाहिकमल ॥ २६ ॥ हयिजिनवीवगा ॥ जिमनयिस्वनवज ॥ गिनिभा ॥ रास

३०

मय ॥ स्यामसयनी ॥ ३३ ॥ नममं ॥ धामं ॥ कानवजं ॥ हवज ॥ सवनविधनूर्य ॥ २५ ॥ यिपडूम  
सीया ॥ ग ॥ सफुवनिधना  
न ॥ कू ॥ म ॥ नू ॥ त ॥ नू ॥ नामस  
दायक ॥ यागधर्ममानू ॥ रा  
नकू ॥ विग ॥ मतिमूकू ॥ व  
वी ॥ सूर्य ॥ रुमा ॥ मानू ॥ वा ॥ रा ॥ ह ॥ उ ॥ वनी ॥  
सहज ॥ आन ॥ दमय ॥ हसनूर्य ॥ ॥ वं ॥ क ॥ पर्य ॥ क ॥ ण  
गी ॥ नि ॥ मू ॥ का ॥ ल ॥ ध्या ॥ नी ॥ २ ॥ ज ॥ ग ॥ इ ॥ ख ॥ ना ॥ ण ॥ ती ॥ वा ॥ धि ॥ रु ॥ ल  
व ॥ रु ॥ द ॥ यी ॥ ॥ गु ॥ नू ॥ वा ॥ क ॥ ह ॥ उ ॥ ध ॥ नी ॥ या ॥ मू ॥ र्ध ॥ य ॥ व  
उ ॥ उ ॥ ना ॥ दि ॥ ध ॥ नी ॥ या ॥ २ ॥ व ॥ ड ॥ व ॥ क ॥ या ॥ ण ॥ ण ॥ ती ॥ व ॥ य ॥ व ॥ म ॥ ध ॥ ण  
॥ स्व ॥ प्र ॥ मा ॥ या ॥ ण ॥ ह ॥ ण ॥ रा ॥ व ॥ य ॥ नि ॥ रा ॥ व ॥ ना ॥ वू ॥ ध ॥ ध ॥ र्म







गन्धमल्लुत्त॥ १२  
चक्रवर्त्त॥ १३

ना॥ ॥ गगननिवावन्धवलिङ्गानिवासय. वरुविमानरुंरं  
 क्षान्तिवज्रसनजालज्वांसं  
 स्वहियाप्रमादकनरस  
 रुमिध्वधन॥ ॐ ॥  
 मूनावायनृषा॥ गीता॥ प्रमा  
 नृषा॥ ॥ नागा॥ मन्त्रा॥ नागा॥ माध॥ गन्धमल्लुत्तमध्व. वीकानर

शां॥ ॥ किञ्चिन्मल्लुत्त  
 ननुनृमाह्वादिभगवन्नि  
 किनलागिता॥ ॐ ॥  
 दिता॥ १४॥ ॥ वरुधानाधिव

निर्मोक्षमूर्त्ति॥ १३  
निर्मोक्षमूर्त्ति

ऊचकमुख. पृथिविदेवी॥ ॐ ॥ ऊचकहीमहादेवी. पृथिवीमानरसर्ववत्तसम्पू  
 र्ण. विरूयिता॥ ॥ यी  
 सैजावती॥ ॥ कनक  
 सैजानती॥ ॥ दिव्या  
 ना॥ ॐ ॥ कलशमधि  
 निर्मातामूर्त्ति. मध्यगक. कलशम. यैवानृममृ. पूविपूविता॥ विधमयगर्हित. यै

॥ ऊचकहीमहादेवी. पृथिवीमानरसर्ववत्तसम्पू  
 नवर्षसोम्यनृयिलीरवी॥ सर्वमरुयकन. लाक  
 रुदधल्ल वामकनधानी॥ सर्वकनमूरुयलाक  
 लेकानरुषिगदहा॥ साननोपून. निर्धारिववसूया  
 बाभन॥ ॥ नागा॥ रुनवि॥ नागा॥ ऊचकानि॥



वयनवान् नीलवर्ण नर भिनसिक्कायिता ॥ ५ ॥ ईं ईं कवरु वजा वार्य मनु  
 विन्यासित कर्मवजी स हिमा प्रह्लादस्वयिनी शवज निष्प्राहि मग यविप्र  
 लुह उना रुव समूड न वस मिमिलरुवत्मा ॥ ॥ पूर्वदलगत यव  
 सूर्य सनेजिता येव विंश तिरु दिग वृद्ध कार्य शद कि ल दलगत वज स्व स  
 मस्व नूर्य प्रिभुवन सम वस याय विभुद्धि ॥ ॥ यश्चि मदलगत न  
 यत्मा धिता प्रवन वरु सिद्धि नसरुजिता शडहन दलगत घञ धायनादिना

३३

हनस्वयिनी विश्वजननी ॥ ॥ मूर्या ॥ ६ दल ॥ ॥ गीता ब्रह्म नक ग्यम  
 नरु नजथापिया नर पूय विन्यासित विधमय पूजा ता प्रसमा मि वरु सत्व  
 सिनसाधिता ॥ ॥ ॥ म गुनम गुसा ॥ ॥ गीता ॥ म गुलाधिवासना ॥ ॥ गीता ॥ विवक्र ॥ २१ ॥ ॥  
 १४ ॥ ॥ कलम पूजा ॥ ॥ धर्मनू ॥ १५ ॥ ॥ समाधि ॥ ॥ गीता ॥ मूनी ला ॥  
 नकवर्ष ॥ १२ ॥ ॥ देवस्व पूया ॥ ॥ नमः ॥ १० ॥ ॥ देववजा ॥ ॥ वाहिना ॥ ॥ प्रिद



ॐ ॥ ३४ ॥ गतवक्र ॥ ॥ गीत ॥ राखन ॥ ४१ ॥ थूनि कि न स दू दू या त क ॥ ४४ ॥  
 अरिद्र न दू दू ॥ ॥ नरे न म रू न ॥ ३ ॥ वाग मा ला ॥ ४ ॥ वि च स न ॥  
 हा ॥ ५ ॥ समाधि ॥ गीत ॥ मनी ल ॥ १६ ॥ क ॥ ५ ॥ गीत ॥ मनी ल ॥ १७ ॥ या  
 म की पू ज्ञा ॥ गीत ॥ व क व ॥ १८ ॥ धू या ॥ गीत ॥ न म ॥ २० ॥ द व व द ॥  
 वाहिना ॥ गीत ॥ वि ह ॥ ३३ ॥ गतवक्र ॥ गीत ॥ राखन ॥ ४१ ॥ थूनि मनी ल  
 न दू दू या ना क ॥ ३४ ॥ वि य दू दू मनी ल ॥ ३५ ॥ वाग मा ला ॥

३४

स र ॥ वा मा द हि ॥ ३४ ॥  
 स र ॥ वा मा द हि ॥ ३४ ॥

नागा ॥ नाट ॥ ना न रु मि ॥ सहज स न न रू ह न व ना या २ वि यु व न ना थ द हि वि ना सा  
 ॥ ३४ ॥ उ क्ता हि य क २ क म ल क लि ण स ३ आ ग स रू वा ॥  
 ३५ ॥ उ द्वा टा ष टा दि नू वि  
 हा न ख न नू पि नी द वी वि  
 उ नू प सा दा मनी ल न क  
 सहज स न ॥ नाग मा न सि ॥ ना न मा थ ॥ वा मा द हि न ॥ ३४ ॥ वि य दू दू मनी ल ॥



३२  
३६

यिमहासुखवृत्तनः॥ ३॥ उक्तं यिन मायिया सहजाभानन्दं सयलविज्ञायायि ॥  
यनिहाव ॥ ॥ गयने  
निय्या ॥ ॥ एकधावः  
॥ ॥ यावयिभगुनूया  
मूडापूजा ॥ गीतहाउरु  
॥ ॥ सद्यपूजा ॥ नागा ॥ नाट ॥ नाग ॥ कति ॥ कडाननूयलाकश्चनकडान  
वीनवर्यामातरकिदुल ॥ पदसुनूय ॥ १

गमधुलचक्रं ॥ उक्तिगच्छयगाकविताने ॥ ॥ भुयनिनाडितुयकमन्यक  
॥ ॥ दनवगीतवधसम  
कूनाटकविहकूदिव्या ॥  
मनकवपन ॥ ॥ अ  
मलवनिवर् ॥ ॥ वृ  
यं ॥ ॥ वधुजनजदायनिमूक्तिगतनवर्द्ध ॥ वृद्धविगवनया विग्रविग



कायिनवधमा॥३०

मिदं सकने॥ ॥ गनारुंरुंरुं शनाननरुंरुंरुं॥ ॐ॥ ॥ मधुसूदयकेलागीन  
निऊरुव॥ ३१॥ ॥ वाहिन॥ गीत॥ छिहंज॥ ३४॥ ॥ गिच्छाया॥  
॥ नागा॥ वनादि॥ नानम  
दवप्रिउवतनित्ता॥  
द्विसिद्धिभाहियभाद॥  
मिगगतइवाना॥ ॥ उदिरगनदद्यानवि अष्टागशगगतलजवनमाययवनरु

३८

लान॥ ॥ यवनयैवान॥ उक्केवन्ध॥ २ वियनितकनमदाचकसिद्धा॥ ॐ॥ ॥  
गतयक्र॥ गीत॥ राखन  
इदिलायायूरु॥ कुरुयाग  
युनमधुन॥ गीत॥ मध्यमन  
जा॥ गीत॥ मूनरुन॥ ११॥  
यूजा॥ गीत॥ नरुवर्ह॥ १२॥ धूय॥ नम॥ ३६॥ २०॥ दववर्गा॥ गीत॥ छिवक्र॥ २१॥ अ



रुकिविद्यागीत॥कलिननजनल॥२२॥मीसासुनिगीत॥कासा॥२३॥आदि  
 चर्यागीत॥हउरुवस॥२४॥उयामाक॥वादिनागीतवकीकलुल॥  
 ३०॥सहंवागीताऊय॥३१॥गलवकागीता॥सखवा॥४१॥थुमि  
 इविहायापूरुसातहला॥३२॥नऊयवाहयानक॥४२॥  
 गुनसुलुसागीतमध्याम॥३३॥समाधिगीत॥मनीला॥३४॥मामकी  
 पूजागीत॥नकच॥३५॥धूपनम॥३६॥२०॥दवचर्वा॥३७॥मकठयूजा॥

३२

पिउवनकलिनगा॥४॥गलवकागीत॥कासायि॥२५॥मूलपूजागीत॥हउरुव  
 सा॥२६॥वलियूजा॥२७॥नग॥रुनविनाताना॥पिहना॥वडागमूमनसि  
 निषवृकावासकिनागा॥२८॥गर्जिममद्या॥गहनमध्याम॥मृधकवृका॥घनि  
 गमद्या॥नरुकनागा॥२९॥००॥उजम॥जलवक॥रुगवकिवायूवाक॥स  
 दिगीविदिगीवलिवनि॥३०॥नर॥मूरूममन॥वे॥सि॥वी॥न॥धे॥न॥वा॥व॥यि॥स  
 रुजानदवा॥३१॥ककनिधाना॥वाहिनमद्या॥कासा॥कल॥ककटिकनागा॥३२॥

वउजम॥३३॥



नैकरुनवा. वहिगमया. सनसिहनागा. दूगकवृका॥ ॥ मूहगहममंययाल  
 नागा. प्रवयुमया. वहिम  
 सुयभा॥ ॥ धानम  
 हुनवृका. कूलिकनागा  
 वठवमवदना. द्वादशन  
 मर्दना॥ ॐ ॥ धूमाजा. निपूजा॥ ॥ नागा॥ मूचोरुनवि॥ नावना. वस्यनि॥ धू

१ नाखरु. गवता. किलिशलावा ४

४०

धूमाजा. नि॥ ३२

मी. गा. नि. वलकना. नि. रूषमयि. गनक. द. वयन॥ ३२ ॥ रुजयि. नरुं. रुं. रु. रु. रु. व  
 कन. ला. नाना. विहानो. द  
 दवा. र. वा. रु. नि. वा. रु. न. व  
 र. म. रु. र. पू. रु. रु. नै. क. समा  
 यन. र. म. घ. मा. र. म. रु. न  
 ता. दि॥ १४॥ ख. मा. म. ल. ला. गी. न. द. वि. नि॥ ३२॥ थू. नि. न. रु. प्र. वा. रु. या. न॥ ॥



सिक्काद्वयकृद्गुयावर्वाकृष्टशला॥ ॥ अख्यं नवसुखं न्यनागीत॥ हाउरु नरला॥ १  
 ॥ मूडाख्यतलुन्यनागी  
 ॥ नागमाला॥ ४॥ विश्वस  
 मलुला॥ १॥ मूलावायवृत्त्या  
 ॥ ॥ विष्णुनवज्जवा  
 ला॥ १४॥ ममाकिपूजा॥ नकवर्ध॥ १२॥ धूया॥ नमः ॥ २०॥ देवपूजा॥ ॥

४१

कानकवर्ध॥ १२॥ धूया॥ गीत॥ नमः ॥ २०॥ देवपूजा॥ गीत॥ निर्मनादिता ॥ २३॥  
 आरुति॥ कलिवज्जानन॥  
 मि॥ गीत॥ सर्ववृद्धा॥ ३१  
 ॥ वाहिना॥ वकि  
 यनृत्त्या॥ द्विनि॥ ३२॥  
 रास्यना॥ ४१॥ धूमिसिक्काकृद्गुयावर्वाकृष्टशला॥ ॥



४३

॥ गुरुदत्तना ॥ १३४  
धृष्टदागिनी ॥ ५७

॥ रगाद्दहनयवज्ञानस्वनूपर्यवामृगनस्य कसानि पूजित्या ॥ ५ ॥ उद्भव  
विनायकि सुवनवी वार  
धनसहजानन्द २ कल  
धस्वनूपर्यदेवास्वनन  
कनिष्ठ २ उमनूद्य ४  
॥ प्राग ॥ कल ॥ ताव ॥ मय ॥ षट्प्रागिनी देवी जि सुवनव्यानी २ विप्र



५५

नागा॥ हेनवी॥ नाना॥ मया॥ उ॥ भ्रा॥ रुं॥ रुं॥ मून॥ न॥ न॥ स्वा॥ हाम॥ कु॥ उ॥ चान॥ तन॥ २॥ पू॥ जा॥ पू॥  
 क॥ क॥ पू॥ क॥ रा॥ व॥ ग॥ त्व॥ स्व॥ नू॥ य॥ व॥ लि॥ रा॥ व॥ ॥ ३॥ ॥ र॥ क॥ व॥ स्वा॥ हि॥ श्व॥ लि॥ य॥ नू॥ न॥  
 घ॥ घ॥ घा॥ ट॥ य॥ २॥ वि॥ प्र॥ न॥ २॥ यै॥ वा॥ मि॥ या॥ न॥ स॥ य॥ व॥ ङा॥ नि॥ न॥ यै॥ क॥ ह॥ न॥ स॥ व॥ नि॥ ना॥  
 ॥ ॥ सर्व॥ य॥ क॥ ना॥ क॥ स॥ र॥ ग॥ प्र॥ न॥ पि॥ ङा॥ वी॥ त्मा॥ य॥ त्मा॥ न॥ र॥ ङा॥ कि॥ नी॥ इ॥ यि॥  
 नू॥ स॥ म॥ म॥ न॥ ॥ द॥ व॥ लि॥ गृ॥ क॥ तु॥ न॥ ॥ ॥ दान॥ य॥ न॥ सर्व॥ का॥ र्य॥ ग॥ त्व॥ या॥ स॥  
 व॥ स॥ र॥ व॥ स॥ य॥ हि॥ ङा॥ न॥ न॥ २॥ ऊ॥ र॥ थे॥ व॥ न॥ र॥ थे॥ व॥ उ॥ ऊ॥ र॥ थे॥ यि॥ व॥ र॥ थि॥ प्र॥ थ॥ मा॥ ह॥ का॥ म॥ र्थ॥ न॥ ॥

अजाक



विष्णुसहस्रनाम ॥ ३८ ॥  
विष्णुसहस्रनाम ॥ ३८ ॥

॥ समयनरुदुदानयगिनसर्वसिद्धिसम्यदहमनिनर ॥ आसंसावतथागनववन  
सर्वसिद्धिसम्यदवृद्धिन  
अनूलन ॥ १० ॥ **ममकि ॥**  
विद्याश्चनर्धमा ॥ ॥  
रुवर्धननमसूटकः  
नीविश्वरुननीरुविश्वनव्यायिरुजिनरुहानयायनी ॥ ॥ **दहिमकनवजवि**

॥ ॐ ॥ **समाधि ॥ अनिला ॥ १७ ॥ कलयूजा ॥**  
**नरुवर्ध ॥ १२ ॥ धूया ॥ नमः ॥ २० ॥ देववर्वा**  
**वागा ॥ विलास ॥ मानमाध ॥ दिशुज्जकमुखनः**  
**हादिनिनीवला ॥ ॥ नमादवीवृद्धजकि**

४७

नासिगदधंनिरवामकनाटकवृद्धमनिसेयीवयि ॥ ॥ नरुतिमलुलमाथ  
अदियानगमनरवलो  
दवी. सूनननमहिगार  
सात्रि ॥ गीता ॥ राजोरुन  
३० ॥ **संहाव ॥ जयंजयं**  
**प्रमादिनादी ॥ १४ ॥ यमामलुल ॥ दिविनि ॥ ३२ ॥ धूमिहिक्रमाहूययाग ॥**

पूववलमननप्रवदिता ॥ ॥ श्रीविद्योदनी  
सकनसिद्धिसिद्धिदहिममाहा ॥ ॐ ॥ **गर्व**  
**स्ता ॥ २८ ॥ इयामाका ॥ वाहिन ॥ वकिरुलुला ॥**  
**॥ ३८ ॥ गलवक्र ॥ राखन ॥ ४१ ॥ लमववलि ॥**



उ न स य या न व र्वा क ल श ल ॥ उ न म ल ॥ गी त ॥ म र्ध भ न ॥ १ ॥ य व स नो पू ज ॥  
 ॥ गी त ॥ गी क द ह न ॥ ३ ॥ स मा धि गी त ॥ भू नी ल ॥ १ ॥ मा न कि पू ज ॥  
 ॥ गी त ॥ व क्त व र्ध ॥ १ ॥ २ ॥ द व व र्ध ॥ ॥ य व स ॥  
 वि न र ह य ॥ गी त ॥ हा ज ॥ ॥ य नि उ ॥  
 न स य या न श ल ॥ ॥ य थ कि न ल द र वा या न व र्वा गा क ॥ ॥

४३

श ड न म ४ यी व क्त वा ना क ॥ ना हा सि च्च यू ज्ञा या व र्वा क ल श ल ॥ ॥ हा ज रु न  
 ल ॥ १ ॥ ध न व न श ॥ न दि  
 ॥ १ ॥ ह न सि न ॥ ३ ॥ व म  
 ॥ १ ॥ व क्त म य रु मि ॥  
 ना ज टि ॥ य क्त म य रु मि  
 न मा मि र्श यी क्त न द रु व क्त ॥ २ ॥ द व ॥ य स द न भा क्त रु ल द ॥ ३ ॥ ज कि च्च ह व ॥

न क्त व र्ध  
 य व स नो पू ज



पुष्पदिगा. घ  
नमो भगवते ॥ ३२

निनावृष्टकस्वाश्चलुनाहा सा न्यास्यामार्थवाम ॥ ३२ ॥ कनकसनहा दकिरुतन  
यिनीष्टाश्चलुनाहा ॥ ३३ ॥ यथयिष्टमयुष्ट  
प्रदाष्टास्वानदाश्चलुनाहा ॥ ३४ ॥  
नागमधुमहाना ॥ ३५ ॥  
गिनीगहमहाना ॥ ३६ ॥  
श्वनीगहमहाना ॥ ३७ ॥  
॥ यस्याहायास्वस्वाननन्दमन्त्रिश्चलुनाहा ॥ ३८ ॥

४१

वर्षागिनी

नमो भगवते ॥ १०  
नमो भगवते ॥ १०

आवलीनदी ॥ ३९ ॥ अष्टमहान जाहलमानश्चलुनाहा ॥ ४० ॥  
॥ दानयगि सर्वविघ्ननि ॥ ४१ ॥  
निर्माहादि ॥ ४२ ॥  
याकिवहाइति ललिता ॥ ४३ ॥  
मानिष्टीवस्वा नादवी ॥ ४४ ॥  
रुद्रकलहा वामकनधा नीश्चान्यमंजलि ॥ ४५ ॥  
पहायूरुका धानी ॥ ४६ ॥  
निधिदल ॥ ४७ ॥



कुरुनीराजना॥ ७१  
पञ्चमनस्य॥

सनत्तममंजसि २७ नूवनलपलमिहध्वानि॥

दवी २ जंरुनवनूदा. मणु  
रुनिरुंजन. यं वरुननध्व  
स्वराव. मामकि सुनस  
लि. नसिगवजाडुहिष  
कमुखविलावनीदवी॥

॥ लोकेध्वनवजयासि ॥ ७२ ॥

लज्जका॥ ७३ ॥ नागा॥ रुनवि॥ नानामय॥ क  
राव वंका वरुनविजमृत्यना निवात्वसिमहा  
यनिरुवजागिनी॥ ७४ ॥ नमामिदवीपीवान्  
जमृत्यना २ भूलिङ्गलषविनयसनसि॥ ७५ ॥  
॥ अष्टादशरुजध्वानिक. कनचकवान. डीनकपः

४८

पञ्चमसुपग॥ ७३  
सनरुन. य

दिगिकन २ याभीकडाघत्यनध्वजागज. वरुनवलदयथमसव॥ ॥ अयनड

रुनकनरुनक. धनूवज  
रुं गलयपिदनुकमा  
त्याकावरावयहृमः  
मासा॥ ७६ ॥ नागा॥  
नीडवयिथावरदडादिगदवावल. नानाधियान. समयानदरुनकिहा॥ ७७ ॥

वन्धयध्वग. कमलनरु २ विमूनभूगलवजवृत्त  
डन॥ ॥ ७८ ॥ रुंकावहनकवर्तु मम  
नारुव. मृहिनिसकून. वानूलासायमंदा. वजयव  
ललित॥ नानामय॥ महायक्याय समयावाः  
नीडवयिथावरदडादिगदवावल. नानाधियान. समयानदरुनकिहा॥ ७७ ॥







व्याधिनी. दहिनक नमिधानि. मर्क पूनिक. कघालधानि॥ ॥ वक्रि कृत्तु लकठिधा  
 नी हाथ लावक विभुषि  
 क्षिप्तमान विरूपिणा॥  
 नम्रनी २ सहजानन्दम्ब  
 ॐ ॥ यद्योगिनी॥ ७  
 निसा॥ १७॥ अनूरुना॥ १८॥ नक्रवर्णा॥ १९॥ नमः ॥ २०॥ देववर्मा मायु॥ ॥

५१

पूर्ववक्तव्यो  
 पूर्ववक्तव्यो

द्विउजवज्जवा नाहिया॥ २१॥  
 उदयागिनी. विविधयू  
 आदि लपकि नलकलक  
 काकि नलाद समति २  
 कउनुआरुदिगविदि  
 निवासिग. देवास्वसंगगा २ विहंगल गल्ल. रुमन निनाद तिका मिन पूष्य मन्नाह  
 ॥ नागा ॥ रुनवि ॥ नागा ॥ मया ॥ पूर्ववक्तव्यो नासिग  
 थरु लवृक्तसंयुता २ सचन सयना. गन्धर्वयो ३  
 ललसा॥ ३॥ ॥ पूष्यदलवावक वृक्षादि रुमल  
 अर्वियाव प्रमृदिगा. विधिवा नलधूनवनाहीस  
 गयूजिना॥ ॥ दक्षिणवर्ग गन्धनादन. गिनि



नाडकवृक्षाव्यनवनययाना आमादसखयदडकसिसिंका ॥ यश्चिमद्वानसुखे  
 रुगिनि अश्वत्थवृक्षाय नवाना २ वेदूर्यनत्तानसम्पूर्य दवदानवगत  
 (अथमानादवीष्यमाः नाडिष्वनविकीर्णघनगन्यरुहाणि ॥ ॥  
 उरुनद्यानासिगनविना आहिमकनकमयसम्पन्नता २ गंगातिर्थादिबहु  
 व्यहवा यकयकलीगत विनासिगनाहिर्गंभूयन्धमनाहनसिन्ध्यासर्व  
 यसिद्धानय उमिडदसा ॥ ३३ ॥ कडाना ॥ गण ॥ सकनऊ ॥ गढ ॥ उमहिमधुना ॥ गण ॥

१२

धूमांगानि ॥ ३२ ॥ ऊर्यवाचनी ॥ ३१ ॥ हाजरुनता ॥ २८ ॥ ऊर्यऊयी ॥ ३८ ॥ ॥  
 नागा ॥ वसन्त ॥ गान सक्त ॥ ३५ ॥ नावयिषो ॥ ॥ मूनरुनरूनऊनीग  
 नद्यनिनकनरवित्रिष विद्याकविमदविनक्त ॥ ॥ आलाकआलाका  
 लस्य २ आलाकनवदिप्रहधन ॥ ३३ ॥ नागा ॥ यवमा ॥ नानमाथ ॥ अस्तानी

वज्र अदिग ॥ ११  
 क्रिनवनरुनमिष  
 यजभोगिष



अस्मत्प्रालका न २ अस्मत्प्रालागिनी वतन ॥ ॐ ॥ सि न सि सि च न कं क ल ह ना २ द वी च  
 आदल मा क मा गं ॥ ॥ न व स ल अ थो न प्रालका न २ उ न वा क न आ भा  
 हं ॥ ॥ क स वं स मा उ न ल व न सि सि सि दि रु स व  
 व ॥ अ य म ॥ ७१ ॥ द दि ना न ॥ २२ ॥ व ॥ अ य म ॥ ७१ ॥ धू मां गा वि ॥ ७२ ॥ धू मि म ह न र स य ॥ ७३ ॥

७३

वर्ष ३

विषय य  
विषय य  
॥ ६०

य सं हा व ल ह ॥ ७४ ॥ क ॥ क ह दि वि ल च का शा न ल ह शानि न ल य क ॥ गी ॥ ॥ वा गा ॥ ल नि ॥ गा न  
 ॥ मा ॥ ॥ वि ल च का शा न ल ह या ला दि वा न प र्वं लु अ या स  
 न उ व न च न द ह दि ग स्मि न वं आ ४ का ना ह ना नू ल का म  
 न का श व द वा ह व ज घ ट ल वं ग ल म व क नि गा ॥ ७५ ॥ ॥ का य व का श ॥ ॥ का य व का श



पूर्वदिगम्यादि ॥ ४१ ॥  
प्रवर्तितमि

नञ्जैरुवयुक्कवज्वन्धपीठप्रतपनिमहावनादिवीचरवक्त्रगाथालिङ्गिगशुक्रांशुवडरुजा  
जटाईरुशुक्कवज्वहानाय  
क ॥ ॥ वडुविंजवीवधुनय  
वृद्धिषवीवदवीजकभून्ध  
क ॥ गदहिकाकास्यादिन  
प्रतिनीलवर्ध २ प्रवयुजाशनीकाकवदना ॥ (सक ॥ डरुनाधियमिहनिगवध्वर  
नंरुता ॥ (सक ॥ प्रिवक्त्रिगवधुविमहिनांनरु  
वधुयालिङ्गनं प्रिववनकम्यित प्रियानसंरुता २  
सुखावागमननयिधीकृतिनीनप्रसादा ॥ (सक  
सक ॥ नागकामा ॥ मानवकजाव ॥ पूर्वदिगम्यादि  
(सक ॥ डरुनाधियमिहनिगवध्वर

५५

डनुकाननरीमयकरुयहनती ॥ (सक ॥ पन्नगाधियमिनात्तावसवर्ध २ धनाननरीमना  
गरुयहनती ॥ (सक ॥ यम  
॥ (सक ॥ धनंजययमिनी  
॥ पादुधनेधननाकसरु  
ताधियमिनाहितआमा २  
निर्हककवर्ध २ काधवदनं हनिनीसारा ॥ (सक ॥ द्वादशवीचमहाकाधवदनं जाकि  
यमिधानं (गोनवर्ध २ कासाया २ वयमरुयहनती  
सयीतारु २ वकिरुयवन्धनमहाकाधवदन ॥ (सक  
यहनती २ यीतानुवर्ध साधवदनं ॥ (सक ॥ मान  
वानाविनाशनदंष्ट्रकदना ॥ (सक ॥ रुताधियमि  
॥ द्वादशवीचमहाकाधवदनं जाकि



१ वा ला वि लि प ह्या पा य नृ ल्य गी त क डान ॥ ५१ ॥ सक व ॥ ५२ ॥

रासि न वि नृ म लु ॥ ५२

आदि द र्वा आ सि ग त २ थी व क स म्ब न प्र सा द ग व यि गी क थी क सि ज्ञा ॥ ५३ ॥  
मू स नृ ल्य ॥ गी त ॥ वि ह ड ॥  
हं वि ज स कृ व ॥ २४ ॥ गी त ॥  
स स स्मि ता २ यं व ड क द कि  
गा २ वी व वी न व वी ग त द  
मो सी कृ लु स क षि म ख ला नो दू ना ॥ ५४ ॥  
॥ य वि घ णु ना ग व र्म उ म नृ ख द्वा गा २ पा ड य नृ

५४

न मा मि थ्यो रू नृ क ॥ ५३  
भा कि य नि धे

पा ड वि नृ नृ म लु मा ला ॥ ५५ ॥  
व ग रू ना फा ॥ ५६ ॥ ग द  
रू न वि ॥ ना न वि कृ ना ॥ न मा  
व क या ला सं कृ ता रू म हि  
न वि या पि त क नृ ल्य म य  
वि त व्या प्र च र्म व उ मू डा २ गा टा सि ग त मू द्र य स मा वि व क र्म ० आ सि रू य दा ॥ ५७ ॥  
॥ य म जा कि नी ग त ॥ वि य ह व क ना थं २ गु वृ पा द मि न धा र्थ  
नृ द्र पि न ग लो व र ना र्थ नृ ल्य क ॥ गी त ॥ ॥ ना ग  
मि २ थी ह नृ क व ड ॥ ग व व वी ना वि नृ कृ सि ज्ञा ज टा २ यं  
त न व डि स नी स न न ॥ ५८ ॥ त ना रू रू त ना रू रू स य  
स ल उ ध न व थी स म्ब ना ॥ ॥ न मा मि २ ग रू व र्म वि रू  
॥ ५९ ॥







सकनरु॥५४

हवजुमुक्तनारुं हं नारुं हं रननानद हं हं हं॥

॥ सुननमवदिकववराधवू२कूम

मावेस्यनदहववा॥ ॥

रावविमूकविशेषगुणकृपायि२नम४हं नम४हं यो

हवजुमुक्तगुणप्रपयि॥

॥ स्मक ॥ गी॥

॥ नागनाटा॥ काना॥ कृति॥ सकनरु

गतगुनसम्बन्धीना२अन

यमकनूदाक विरुसुखविहा॥ ध्रु ॥ सम्वन२कनम

यिताषं२निविधिकस्यविना

दाननूदा॥ ॥ दवीबावाहिउक्तमष्टिगतदहा२रुवरु

यहननविहा२नविहा॥

॥ सकलविघ्नहन्निमरिपकिनूगा२नकिपकिस्वर्गनिवा

५४

यनमनरा॥५५  
मायाजोष्य

सननूदा॥ ॥ रावारावकगाहकिमरिविहा२अनयमसुखनसमनूसुखविहा॥ ३३

३३ ॥ ॥ स्मक ॥ गद्विहिविह

वकपूर्वालसुखा॥ गी॥ अस्वयनीनंजन॥ ४४ ॥ ॥ स्म

क ॥ गदनवाकृकपूर्वालसु

खा॥ गी॥

॥ नागविहास॥ कानमय॥ यनमनभा

नवरावनरावक२नववि

यहनवपाहकापाहक॥ मांसन॥ गानितमूयनविहा

२नवपृलमाहनसोवनप

विहा॥ ॥ नागद्वयनभाहन॥ धीष्या२नवपेशून्य

समाननदप्या॥ रावजुआवनमिह

नश२२निकनंगसहजकूविशुद्धि॥

॥ यनउयन

५५



समि नय ॥ ८/३

[illegible]

धिगषभ्रडाहनाकानवस (अ) हाकनं २२ हयिथपसा निभमावविदावम शं वकली घनलीय  
 रुम्वं ॥ ॥ विध्वजयंक  
 नघलुमृद्रनदिरुजहव  
 दयि नादकनं गनसमलु  
 गनसिंनगति ॥ ३३ ॥ (अ  
 क ॥ ३४ ॥ (अक ॥ गीत ॥ कसिगवजानल ॥ २२ ॥ (अक ॥ गीत ॥ निजुरुव ॥ ३५ ॥



सक ॥

सक ॥ गीत ॥ गङ्गाजिना ॥ ४१ ॥ गीत ॥ वज्रयागिनी ॥ ४२ ॥ सक ॥ गीत ॥ विविहन्दि ॥

वामख ॥ ४१ ॥

३० ॥ सक ॥ गीत ॥ डदि  
गी ॥ तानमाथा ॥ वामख ॥  
॥ ३॥ ॥ देवीनाचयि ॥ क  
३॥ ॥ कालमृषुद्विपि ॥  
वज्रद्विपि ॥ विरुवनद्विपि ॥ २ ॥ मृषुद्विपि ॥

ताकन ॥ २२ ॥ सक ॥ गीत ॥  
धनदहिनकर्हि ॥ २ ॥ पायनतोपूनमूलुननडिनमाता  
टिवजयागिनी ॥ २ ॥ विनिनद्विपि ॥ विरुवनयपिस ॥  
हानवविनि ॥ २ ॥ नागद्विपि ॥ माहकर्हि ॥ नद्विपि ॥ ३॥ ॥ थू  
॥ ३॥ ॥ मृषुद्विपि ॥ हाननोया

६०

द्विपि ॥ ४२ ॥

कवृषकनाया ॥ २ ॥ मार्गद्विपि ॥ सविद्विपि ॥ सक ॥ गीत ॥ सर्वव  
॥ २१ ॥ ॥ कदनु ॥ मृषुद्विपि ॥  
दिगंवननृषा ॥ गीत ॥ ॥  
टि मऊवर्मविहृषित ॥ नाव  
यिप्रसमामिहृहृकावा ॥  
उंरुमयसगकि ॥ ॥ पल्लयाननृषा ॥ मवसृरुयमिवकलकलनृसहजगुलजाति

हृन ॥ गीत ॥ मृषुद्विपि ॥ निहिरुजानू ॥ ३२ ॥ सक ॥ दव  
वाग ॥ हृनवि ॥ तान ॥ ॥ दवदिगान्वनधवलकिन  
यिरुमऊजनयनधनक ॥ २ ॥ हृनवकासिवापिनलवाप  
३॥ ॥ डथरुवागामनवकवृषामयदहा ॥ २ ॥ मऊमऊम  
॥ ३॥ ॥ मृषुद्विपि ॥ हाननोया



सर्वोपाय ॥ ६९ ॥

नृपमानन्दमूर्तिपूज्यगनीना २५ नामवत्तुवद्विनाशनप्रसामिहंरुकावा ॥

॥ सज्जहाधनमयमनमन  
२ वज्रमर्जयविप्रनाशन  
लम्बितधनुषवन् नृधिवाच  
समामिहंरुकावा ॥ ३३ ॥

वलाडि ॥ गाव

॥ सर्वोपायकालविकाल सुलियाडलपिलिकाल २ सर्वनिनूपत

वद्रुपिउवनकमिय पं वहानप्रयकायवकवर्हि  
प्रसामिहंरुकावा ॥ ॥ वृन्वननवगिवमालः  
सवविगमिमलुला २ श्रीमत्तवद्रुसह्यपयमेश्वर  
॥ ॥ कतावलिदाययन् ॥ गीत ॥ ॥ नाग

५९

मुक्तदहारद्विउज्जकास्यगिनयं ॥ ॥ गनाहंरु २ ॥ १ ॥ वक्रिकुधुवक  
थिग्वरा २ वृवककयूव  
प्रहस्ययायवर्म ॥ ३  
ववर्क ॥ ४ ॥ सव  
द ॥ ५ ॥ हृदावर्ध  
विद्विदिमिहामूपासिदि ॥ ॥ ॥ सवाकाका ॥ २३ ॥ ॥ श्यागकन



38

[illegible]



五

२-कृष्णवर्धन ॥ २-ज्येष्ठाया विना  
जिनवनर निषी ॥ निरुदध

वनगन्धादमरुजगीवश्चकूमूरवचनधैलेलवकालि॥ ५ ॥ नाचयित्री  
 सवययाश्वजवावाही  
 नीलामारुधुवादाश्व  
 वाकविरुक्जमिनें  
 लकृगिसविलम्बय  
 रूम॥ ॥ शमालवनाग॥ लोचिनीविवालिद्यसविप्रकृतिश्चवनिवधालि  
 अतिसिद्धयं



ऊंवि. मस्तु नयव नम ॥  
 कालनयिया ॥ १ ॥  
 ला. दिगम्बरा ॥ २ ॥  
 तथेष्टतमयना ॥  
 यवजहृवकाल ॥

ॐ ॥ अशानन्दनाचयि रुद्रवचयिया २ नैरात्मावानि  
चवनचद्यानव पंचरुषध २ विरुगजुधुमाः  
॥ यंचानियवसु लमकूदरुने २ दलदवयुज ३  
३ ॥ विमलस्यवृक्षसु मर्तवाले २ एनयिअभा  
४ ॥ ॥ इम ॥ ॥ श्यागमन्नाले ॥ विग्वक  
र्यस्का २ द्रुकावसैजाग रुषुवर्धुदहा ॥ ॐ ॥ नमा

१३ चक्रोत्तर  
उत्तमोत्तर

निजीरुनूकवज्जिखवननाथा २ उद्धर्पिगलकं ३ मालीविद्येकलिभा ॥ १  
 ॥ गयमूखषट्पुज्य  
 ला ॥ २ ॥ यथमयुज  
 गिभूत्रध्या ॥ ३ ॥ यथ  
 द्विमाकृपसादा ॥ ४  
 नगुर्पिगलकं ३ नाचवूहूयुनममू



अक्षरवर्णविषय १००  
रदिनकनमस्तु

द्वंद्विचन्द्रापीलयादुर्ध्वनहावा ॥ १ ॥ वामद्वंद्विदहिनचक्षुलीरमापयवि  
विलासयिरुद्रववापी ॥  
मलिरुद्रवसंग ॥ ३  
मूनीलस्य ॥ ४ ॥  
कनमस्तुलमस्तुववा  
पीताहा कोधसमाधिविकननयना ॥  
५ ॥

२ ॥ दहिनठमनूवामखद्योग २ अक्षयागिनी  
॥ गमवन्तिकर्धूपादुद्रवदास्य २ कायवाकचिरुह  
॥ ॥ अक्षनापी ॥ ॥ ॥ ॥ श्यागगाधि ॥ दिन  
विमनिवक्रिदादगनयना २ नीलस्यामलादिग  
॥ ॥ यागिनीहानाकायसूत्रह्या  
॥ ॥

३ ॥

विंगदरुद्रका २ कुलिमयं ० गजवर्मठमनूव  
॥ १ ॥ वामखद्योग  
कालिदूयिचौपैयैवाप  
विम्वकुलिम ॥ अक्षचन्द्र  
माला ॥ अक्षकलीषमव  
गो ॥ रुमीमवीवगभयका २ सहजानंदरुद्रियालमस्तुल  
पुष्पामिमीरुद्र

कपालविभूजध्रियात्र ॥ वक्रकपाला २ आलि  
यियागठानोठनवजसपुसावित्र ॥ २ ॥  
रुद्रविद्यापयकपाला २ वावाही आलिगन  
दनयन ॥ ३ ॥ चकीकस्तुलमूयाभिलमा  
॥ ॥



॥ कायवक्रया ॥ ॥ १ नाग गव्य गी ॥ चकीच  
लि २०० थं काल अभाय सिद्धि वलु सै हव ॥  
वात्री २ खन दन कादि व नील वधु रणव ॥  
कि रुतू व स रु ऊ स रण व २ स र्व स र्व उ द्वा नि व  
॥ य व ग थ ग ग क (६) धात्री ०० डि २ य हू पाय  
३ ॥ मातू गी रुतू व नू धु मू धु क मा ल २ रु न कि

三

२ नाटि मधुन १०२  
उदि गायी

एतस्मानिनीश्वरानराव ॥  
 श्यागविरास ॥ नारिमधु  
 ना ॥ ॐ ॥ देवीउमसि  
 १ ॥ दहिनकयगिज  
 ॥ सयकालमूर्खिमाल  
 गवेनिसयगवज्जडगिनि

४ ॥ श्री ॥ ॥ ग्रिहंज ॥ ३७ ॥ श्री ॥ ॥  
लमाश्रुतगणविना २ ससू मना सहज समान  
नउर्द्ध गणा २ गगधमिरबल मापे वन गणा ॥  
मुपायक्षत्री २ वामरवद्या गच्छ ऊक्षत्री ॥ २  
संगा सिगा २ नत्र मित्र माल विवगा ॥ ३ ॥  
२ ऊत्तम जन्म गुह्य पयि सविता ॥ ४ ॥ श्री ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०३ ॥

॥ १ ॥ राग रेखा ॥ जिनजिक वलाधक आलाजिका यहाधका रागगनिक्ष  
षवगीत्र भादवगी वज  
वज अक्षय सक वाजा २  
वाजा ॥ १ ॥ रूप भव  
गर्क कूलि भक वाजा ग  
यधवला रिक्त रिन सुमक एडा २ सुमया विपू पहाकका अपवा जिग सुमक

३२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०४ ॥

एडा ॥ ३ ॥ विद्याक क गाव वट कि वाजा नील दधु महावल २ उक्ती पचक  
सुम वाजा ५ सा रिग वि  
म ॥ १ ॥ काव स जाग सुहा  
वाक चिर्क सय मधुल  
सम्वन वज वावा हि गुनो  
कुव स कूटा ग म मनी रुवा ॥ १ ॥ दहिन क व वज वाम दधु ५ ज ठाम व

म्वमधुला ॥ ४ ॥ ॥ ॥ राग रेखा  
नन्द रूप धवा वस लाक पाल येण सवु गा २ काय  
विविध पूजि गा ॥ ॥ ॥ यधना मिती द्वि युज  
गाक नूना मय २ अय क का ला वलि च फु दार



